रणजीत टाइम्स

वर्ष : 1, अंक: 100 इंदौर, गुरुवार 10 अप्रैल 2025

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

DIGITAL EDITION

भाजपा स्थापना दिवस के अवसर पर विधानसभा 1,2,3,5 एवं राऊ में हुआ सक्रिय सदस्यों का भव्य सम्मेलन

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा – भाजपा सिर्फ राजनीतिक दल नहीं बल्कि भारत की आत्मा का स्वर है

इंदौर। भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस पर विधानसभा सम्मेलन में पार्टी के सभी सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय जी, सांसद श्री शंकर लालवानी जी, वरिष्ठ नेता श्री बाबू सिंह रघुवंशी जी,भाजपा के शहर अध्यक्ष नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा जी विधायक श्री रमेश जी मेंदोला,श्री गोलू शुक्ला जी,महेंद्र हार्डिया श्री मधु वर्मा जी विशेष रूप से उपस्थित थे।

तीन सत्रों में हुआ सम्मेलन

सक्रीय सदस्यों के इस सम्मेलन को तीन सत्रों में विभाजित किया गया था मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय जी ने भाजपा संगठन की विचारधारा पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता और विचारधारा ये दोनों भाजपा की वास्तविक शक्ति है. विचारधारा के कारण कार्यकर्ता संगठन से जुड़ता है और फिर कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा और उपलब्धियों को लेकर घर घर जाता है . उन्होंने कहा कि कांग्रेस और भाजपा में ये मूल फर्क है कांग्रेस एक फिरोज जहांगीर गांधी के परिवार की पार्टी है, मतलब एक परिवार की पार्टी है जबकि पूरी भाजपा एक परिवार है। भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री बाबू सिंह रघुवंशी जी ने भाजपा के सदस्यता अभियान पर प्रकाश डाला. उन्होंने कि कैसे भाजपा ने भारतीय राजनीति में बदलाव लाया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे पार्टी की विचारधारा को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर काम करते रहें।

इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी जी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में भारत की विकास यात्रा पर विस्तार से बात की। उन्होंने पार्टी के योगदान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहा और कहा कि भाजपा ने भारतीय राजनीति में एक नया विश्वास और समृद्धि लाने का कार्य किया है।

सम्मेलन के दौरान नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा जी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की ताकत उसके कार्यकर्ताओं में छिपी होती है। उन्होंने कहा कि एक बड़ा कार्यकर्ता वही होता है जो पार्टी की नीतियों को न केवल समझता है, बल्कि उन्हें समाज के हर तबके तक पहुंचाता है। उनका कहना था कि कार्यकर्ताओं की मेहनत ही पार्टी को मजबूत बनाती है।

धनतालाब घाट पर फिर लगा लंबा जाम

इंदौर-बैतूल हाईवे पर स्थित धनतालाब घाट पर बुधवार को एक बार फिर लंबा जाम लग गया। यह इलाका जाम के लिए बदनाम हो चुका है, जहां रोजाना दो से तीन किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। आज भी सुबह से ही घाट पर वाहनों की रफ्तार थमी रही, जिससे यात्री घंटों तक परेशान होते रहे। सबसे गंभीर बात यह है कि इतनी भीड़ और अव्यवस्था के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। न तो ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए पुलिसकर्मी मौके पर मौजूद थे और न ही वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था।

स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि घाट पर अक्सर भारी वाहनों की आवाजाही के चलते जाम लगता है, लेकिन प्रशासन की उदासीनता के कारण स्थिति दिनों-दिन बदतर होती जा रही है। लोगों ने मांग की है कि यहां स्थायी ट्रैफिक व्यवस्था के लिए विशेष योजना बनाई जाए और पुलिस बल की तैनाती की जाए, ताकि रोज़ाना की इस परेशानी से राहत मिल सके।

अपहरण की घटना का 24 घंटे में, पुलिस थाना आज़ाद नगर ने पर्दाफाश कर, आरोपियों को किया गिरफ्तार

- अपहरणकर्ताओं के चुंगल से अपहृत व्यक्ति को सकुशल बचाकर, घटना को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को धरदबोचा
- 500 सीसीटीवी फुटेज खंगाल पुलिस पहुँच गईं आरोपियों तक
- घटना में प्रयुक्त अर्टिगा वाहन भी पुलिस ने किया जप्त

इंदौर- पुलिस थाना आज़ाद नगर पर दिनांक 08/04/2025 को फरियादी उज्जवल सिंह पिता सरदार सिंह व उनकी बहूँ ने थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट किया कि उसके भाई अर्जुन को आरोपी अरविंद भंडारी व करण भंडारी पैसे की लेन देन की बात को लेकर उद्योग नगर से जबरन कार में बैठाकर अपहरण कर ले गये हैं एवं पैसे न देने के ऐवज में जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। फरियादी की रिपोर्ट पर तत्काल थाना आजादनगर में अपराध धारा 137(2),140(1) बीएनएस का पंजीबध्द कर अनुसंधान में लिया गया ।

प्रकरण दिनदहाडे अपहरण की घटना होना अत्यंत सनसनीखेज था अतः प्रकरण की गंभीरता को दृष्टिगत को देखते हुए पुलिस आयुक्त इंदौर श्री संतोष सिह ,अतिरिक्त पुलिस आयुक्त इंदौर श्री अमित सिंह के मार्गदर्शन में पुलिस उपायुक्त जोन -01 इंदौर श्री विनोद मीना द्वारा अपरहृत की पतारसी एवं आरोपियो की गिरफ्तारी किये जाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है। उक्त निर्देशो के तारतम्य में अति.पुलिस उपायुक्त

जोन -01 श्री आलोक कुमार शर्मा व सहायक पुलिस आयुक्त अनुभाग आजादनगर श्री हिमांशु कार्तिकेय के द्वारा थाना प्रभारी थाना आजादनगर श्री विजय सिंह सिसोदिया के नेतृत्व मे एक टीम गठित की गई। थाना आजादनगर की टीम द्वारा घटना की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल घटनास्थल व आसपास के क्षेत्रों में करीबन 500 सीसीटीवी कैमरों के वीडीयो फुटेज का विश्लेषण करने व तकनीकी सर्वेलाँस एवं मुखबिर तंत्र की मदद से आरोपीयों की के बारे में जानकारी प्राप्त की गई तत्पश्चात् पुलिस द्वारा जिला देवास में भोपाल रोड पर आरोपीयों की घेराबंदी कर पकडा गया जिनकी अर्टिगा कार से अपहृत व्यक्ति अर्जुन पिता सरदार सिंह ठाकुर उम्र.32 साल नि.शांतिनगर इन्दौर को सकुशल बरामद किया गया है तथा मौके पर ही आरोपियों 1- करण सिंह भण्डारी उम्र 24 साल नि.सदर आरोपी 2- सुनील सिंह नागर उम्र.26 साल नि.बरौठा जिला देवास आरोपी 3- अजय कोरी उम्र.22 साल निवासी मालवीय नगर इन्दौर को गिरफ्तार किया गया साथ ही अपराध में प्रयुक्त चार पहिया वाहन अर्टिगा कार को भी जप्त कर थाना परिसर में लाया गया है। अपहृत व गिरफ्तारशुदा आरोपियों से प्रारंभिक पूछताछ में तथ्य आये हैं कि अपहृत के भाई द्वारा पूर्व में आरोपियों से करीबन 15000/- रुपये उधार लिये थे जो कि वापस नहीं किये जाने पर 04 आरोपीगणों के द्वारा एकमत होकर अपहरण करने का आपराधिक षडयंत्र रचा गया था तथा अपहरण करने के उपरांत जान से मारने की धमकी देकर वसूली की योजना बनाई थी। उक्त 04 आरोपीगण में से 03 आरोपीगण को गिरफ्तार कर लिया गया है व अन्य शेष 01 आरोपी अरविंद भंडारी निवासी- वैभव लक्ष्मी नगर, खजराना इन्दौर की तलाश जारी है जिसके उपर उचित इनाम उदघोषित किया गया है । प्रकरण में विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही हैं। उक्त कार्यवाही में निरीक्षक विजय सिंह सिसोदिया प्रभारी थाना आज़ाद नगर इंदौर, स.उ.नि. दिनेश वचुनिया, सउनि. संदीप बैस, प्रआर. 1525 प्रदीप कुमार पटेल, प्रआर. 1925 नितीश अठोद, आर. 3560 भेरू सिह एवं तकनीकी सहायता में आरक्षक 3791 अमित खत्रि,आरक्षक 2481 गोर्वधन ,आर.4051 प्रशांत की सराहनीय भूमिका रही।

पिछोर विधायक ने

पानी के टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

एक लाख पिचत्तर हजार रुपए की विधायक निधि राशि से ग्राम पंचायतों को किये टैंकर जारी

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) पिछोर क्षेत्रीय विधायक प्रीतम सिंह लोधी के द्वारा 09 अप्रैल बुधवार को पिछोर रेस्टहाउस डाक बंगला पर दोपहर 12बजे गर्मी के मौसम तथा पानी की अबव्यवस्था को लेकर पिछोर विधानसभा क्षेत्र की छैःग्राम पंचायतों में विधायक निधि से पानी के टैंकरों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना !

विधायक द्वारा जानकारी देते हुये बताया गया कि पिछोर तथा खनियाधाना जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत वाचरोंन,बमेंरा,अमुहाय,नयागांव,गूडर तथा दबियाजगन जहां पर पानी की समस्या के लिये इन सभी पंचायतों में एक एक पानी के टैंकर भेजे जा रहे हैं इससे पूर्व नौ ग्राम पंचायतों में पानी के टैंकर वितरण किये गए थे 6 टैंकर आज भेजे जा रहे हैं, इस तरह कुल 15 टैंकर वितरण किए गए हैं! हम नहीं चाहते कि हमारे क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न हो ऐसी स्थितियों को देखते हुए मैंने अपनी विधायक निधि के माध्यम से इन सभी छैःग्राम पंचायतों में एक लाख पिचत्तर हजार रुपए की लागत से बने पानी के टैंकर को आज उन सभी ग्राम पंचायतों में रवाना कर रहा हूँ,जहां पर पानी के टैंकरों की आवश्यकता है !मेरा उद्देश्य है कि मै अपने विधायकी कार्यकाल के दौरान इस क्षेत्र की जनता को परेशान नहीं होने दूंगा ! चाहे पानी,बिजली या स्वास्थ्य की समस्या क्यों ना हो मैं हर संभव उन समस्याओं का निराकरण करूंगा !

अन्नदूत वाहनों में केंद्र प्रभारी दुष्यंत माझी द्वारा फर्जी ड्राइवरो से,नियम के विरुद्ध कराया जा रहा है परिवहन कार्य

नियमों के विपरीत भेजा जा रहा है ओवरलोड वाहनों से राश

दैनिक रणजीत टाइम्स

जगदीश पाल

पिछोर (शिवपुरी) मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है इस योजना का उद्देश्य बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराना था मध्य प्रदेश शासन द्वारा इस योजना में सभी अन्नदूत लाभार्थी को प्रत्येक माह की दिनांक 11 से 30 तारीख तक सभी शासकीय उचित मूल्य की दुकानों पर राशन भेजना होता है किंतु और ठेकेदारों द्वारा ऐसा एक भी महीने नहीं किया जा रहा है ना ही राशन लेट भेजने पर किसी प्रकार की पेनल्टी की कार्रवाई भी नहीं की जा रही है जिला प्रशासन से लगाकर विभागीय अधिकारी मेहरबान हैं लगातार अन्नदूत ठेकेदारों एवं केंद्र प्रभारी पिछोर दुष्यंत माझी द्वारा ओवरलोड परिवहन लगातार कराया जा रहा है अन्नदूत योजना में गाड़ियों की भार क्षमता 75 कुंतल है और गाड़ियों में 200 से अधिक कुंतल भर भर के राशन की दुकानों पर भेजा जा रहा है जिस पर एसडीएम मुख्यालय से लगाकर जिला प्रशासन की ओर से पत्राचार जारी कर दिए जाते हैं कि किसी भी परिस्थिति में ओवरलोड परिवहन नहीं होना है ऐसा केंद्र प्रभारी दुष्यंत माझी एवं अन्नदूत ठेकेदारों द्वारा इसका बिल्कुल भी पालन नहीं किया जा रहा है जिसकी शिकायतें पिछोर एसडीएम से लेकर जिला आपूर्ति अधिकारी कलेक्टर तक हो रही हैं अब यह देखना है कि दुष्यंत माझी केंद्र प्रभारी ओवरलोड वाहनों से राशन भेजना बंद करते हैं या नहीं इस प्रकार से अन्नदूत लाभार्थी केंद्र प्रभारी से मिलकर ओवरलोड वाहन और गाड़ियों पर प्राइवेट ड्राइवर रख दिए हैं जो की सभी दुकानों पर राशन भेज रहे हैं ट्रक चलानो पर हस्ताक्षर फर्जी ड्राइवरो द्वारा कराए जा रहे हैं जो कि बहुत गलत है।

कांग्रेस के दबाव में झुका प्रशासन

रोड निर्माण पूर्ण – जीतू पटवारी 10 अप्रैल को चोरल में जताएंगे आभार !

दैनिक रणजीत टाइम्स

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी जी के नेतृत्व और निर्देशन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए आंदोलन का बड़ा असर देखने को मिला। सिमरोल क्षेत्र की जर्जर रोड और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ उठाई गई आवाज़ पर प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई की और आज पंचायत की मुख्य सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया गया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश सिलवाडिया और राकेश पाटीदार लंबे समय से इस मुद्दे को लेकर तहसील स्तर पर संघर्ष कर रहे थे। जब यह मामला ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एवं चोरल सरपंच अशोक सैनी जी के पास पहुंचा, तो उन्होंने त्वरित निर्णय लेते हुए प्रशासन

का घेराव किया और दो दिन में कार्य नहीं होने पर चक्का जाम की चेतावनी दी थी।

प्रशासन ने जनआक्रोश को गंभीरता से लेते हुए रोड निर्माण का कार्य आरंभ कर दिया, और चक्का जाम की नौबत आने से पहले ही कार्य पूरा कर लिया। इस आंदोलन में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे कांग्रेस जिला अध्यक्ष सदाशिव यादव, वरिष्ठ नेता मनीष पटेल, पदम मसकरा, आलोक पुरे, नरसिंग भाई, राजेश वर्मा, मुकेश बुंदेला, दीपक सैनी, हेमंत शर्मा, शैलेश जाट, भाया पटेल, संजू सैनी, पीयूष सैनी, कैलाश बुंदेला, डॉ. सद्दाम खान, नकुल सेन, संतोष सैनी आदि। अंत में शैलेश जाट ने सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं का आभार व्यक्त किया प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी जी 10 अप्रैल को चोरल पहुंचकर अपने समर्पित कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करेंगे और जनता से संवाद करेंगे।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर-कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला विकास एवं निगरानी समिति- दिशा की बैठक सांसद दर्शन सिंह चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक के दूसरे दिन शिक्षा, खनिज, एनटीपीसी, सड़क परिवहन व राजमार्ग, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला योजना एवं सांख्यिकी विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मंडी से संबंधित एवं अन्य विभागों के कार्यों, योजनाओं व उनके क्रियान्वयन और अभियानों की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष ज्योति नीलेश काकोड़िया, विधायकद्वय विश्वनाथ सिंह पटेल व महेन्द्र नागेश, रामसनेही पाठक, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष, जनपद पंचायत अध्यक्ष सहित समिति के सदस्य, अन्य जनप्रतिनिधि, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, डीएफओ श्री लवित भारती, सीईओ जिला पंचायत श्री दलीप कुमार और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे। सांसद श्री सिंह ने मंडी सचिव को निर्देश देते हुए कहा कि जिले की मंडियों में अपनी उपज लेकर आने वाले किसानों के लिए विश्राम गृह खुले रहें। किसानों के लिए कैंटीन चालू रहे। जिस उपज की दर राज्य शासन द्वारा निर्धारित की

गई है, उसी दर पर खरीदी हो। जिले में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने वाले किसानों का सम्मान जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया जाये। जिले में गन्ने की फसल का विक्रय करने वाले किसानों को जो भुगतान अभी नहीं हुआ है, वह भुगतान किया जाये। गन्ने से बनने वाले विभिन्न उत्पादों की व्यापक स्तर पर ब्राडिंग की जाये।बैठक में दिशा समिति के सदस्यों द्वारा अवगत कराया गया कि राशन दुकानें समय पर नहीं खुलती हैं और सेल्समैन मौजूद नहीं रहते हैं। साथ ही निजी स्कूल संचालकों द्वारा अधिक दामों पर किताबें एवं स्कूल यूनिफार्म खरीदने अभिभावकों से कहा जाता है। इस पर सांसद श्री सिंह ने जिला आपूर्ति अधिकारी एवं उनके अधीनस्थ अमले को निर्देशित किया कि राशन दुकानें खुलने का समय व दिन जो निर्धारित किया गया है, वह दुकानों के बाहर प्रदर्शित किया जाये। पात्र हितग्राहियों को समय पर राशन वितरण सुनिश्चित करें। बच्चों एवं अभिभावकों के हित में यह सुनिश्चित करें कि पाठ्य- पुस्तकों एवं यूनिफार्म आदि में मनमानी नहीं हो। इस संबंध में निजी स्कूल संचालकों के साथ बैठक आयोजित कर निर्देशित किया जाये। शासकीय विद्यालयों में बनने वाले मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता कैसी है, यह भी अभिभावक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि जाकर देखें।एनएचएआई की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों एवं डायवर्सन मार्गों पर संकेतक एवं दिशा सूचक चिन्हों को लगाया जाये। ब्लैक स्पॉट का चिन्हांकन हो। विभिन्न विभागों में प्रस्तावित निर्माण कार्यों के भूमिपूजन में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाये। दिव्यांगों के लिए यूडीआईडी कार्ड बनाने एवं उन्हें सहायक उपकरण दिये जाने के लिए हर तीन माह में शिविरों का आयोजन किया जाये। उन्होंने सख्त हिदायत देते हुए नर्मदा नदी घाटों पर अवैध रेत उत्खनन करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने एवं रेत खदानों का संयुक्त निरीक्षण पुलिस, राजस्व एवं खनिज विभाग द्वारा करने के निर्देश दिये।बैठक के अंत में सांसद चौ. दर्शन सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विकसित मध्यप्रदेश के संकल्प को पूरा करने पर जोर दिया जाये।

रणजीत टाइम्स
इंदौर, गुरुवार 10 अप्रैल 2025
03
DIGITAL EDITION

इंदौर में जनभागीदारी की है प्राचीन परम्परा - महापौर

इंदौर मीडिया कॉन्क्लेव में सुनाई नवाचार की कहानी

इंदौर। इंदौर शहर में जनभागीदारी से विकास कार्य करवाने की प्राचीन परम्परा रही है, जिसे देवी अहिल्या बाई ने शुरू किया था। इसी परम्परा को हम भी आगे बढ़ा रहे हैं। जब स्वच्छता का सर्वे शुरू हुआ था, तब हम 47वें नंबर पर थे। नागरिकों के सहयोग की बदौलत लगातार पहले नंबर पर हैं और आगे भी बने रहेंगे।

इंदौर देश का पहला शहर है, जहां 6 हिस्सों में कचरा उठवाया जा रहा है तथा उसका निष्पादन भी हो रहा है। यह बात महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कही। वे इंदौर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित मीडिया कॉन्क्लेव के तीसरे दिन के प्रथम सत्र नवाचार के शहर इंदौर की कहानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव की जुबानी विषय पर बोल रहे थे। नवाचारों पर चर्चा करते हुए महापौर ने कहा कि हमने जो नवाचार किए हैं, उसका असर आने वाले दिनों में दिखाई देगा। इसे 2050 के मॉडल के आधार पर तैयार किया गया है, जिसके जरिए नगर निगम को आत्मनिर्भर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि हमने नवाचार के जरिए बिजली बिल में 22 करोड़ की बचत की है। सबसे बड़ा खर्च नर्मदा जल को लाने में होता था, इसके लिए हमने जलूद में सोलर पार्क का निर्माण किया है। साथ ही 26 हजार दुकान, घरों और कार्यालयों में सोलर रूफटाप स्थापित किए हैं। जिसके जरिए 100 मेगावाट बिजली उत्पादित हो रही है। यह आत्मनिर्भर नगर निगम बनने की दिशा में एक बड़ा कदम है। आज बिजली के मामले में जितना खर्च आता है, उतनी ही बिजली में जनरेट कर पा रहे हैं। श्री भार्गव ने कहा कि जब मैं महापौर बना था, तब निगम के ठेकेदारों का नगर निगम पर 800 करोड़ रुपए बकाया था। एक साल के भीतर आधी राशि यानि 400 करोड़ रुपए चुका दिया गया है। जल्द ही बकाया राशि का भी भुगतान हो जाएगा और भविष्य में नगर निगम पर भारी देनदारियां न हों इसके भी प्रबंध किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि नवाचार की दिशा में डिजिटलाइजेशन पर भी हमारा जोर है। निगम के सभी विभागों में यह काम जारी है और अब तक चार लाख दस्तावेजों को सुरक्षित किया जा चुका है। 2050 के मॉडल को ध्यान में रखते हुए सड़क, पानी और बिजली को ध्यान में रखकर आगामी योजनाओं पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर निगम के काम को लेकर इंदौर के पत्रकारों और मीडिया की सकारात्मक भूमिका रहती है। उनकी सक्रियता हमें ऊर्जावान बनाती है तथा हमारा मार्गदर्शन भी करती है। प्रारंभ में स्वागत भाषण इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने दिया। सत्र का संचालन उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी ने किया। स्वागत महासचिव हेमंत शर्मा, कोषाध्यक्ष संजय त्रिपाठी, कार्यकारिणी सदस्य विपिन नीमा ने किया। एसोसिएटेड प्रेस-एपी के वरिष्ठ फोटो जर्नलिस्ट राजेश कुमार सिंह द्वारा लिखी गई पुस्तक कुशीनगर महापौर श्री भार्गव को इंदौर प्रेस क्लब की तरफ से शैलेश पाठक और

अजय शारडा ने भेंट की।

ट्रैफिक इंजीनियर की स्थाई नियुक्ति होना चाहिए

सत्र में सवाल-जवाब का भी एक दौर हुआ। ट्रैफिक को लेकर उठे सवाल के जवाब में महापौर ने कहा कि 2050 के मॉडल में यातायात को लेकर हम बहुत ध्यान दे रहे हैं। इसके तहत आधारभूत संरचना पर काम हो रहा है। ट्रैफिक इंजीनियरिंग और जनजागरूकता पर काम चल रहा है, लेकिन इसमें जनजागरूकता के मामले में आम लोगों की भूमिका और बढ़ाना होगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम में ट्रैफिक इंजीनियर जैसे पद पर स्थाई नियुक्ति होना जरूरी है, इसके लिए शासन को लिखा भी है। उन्होंने स्वीकार किया कि स्मार्टसिटी का काम लेट चल रहा है, जितने बजट का काम खोल लिया है, उतना बजट मिला नहीं। कान्ह नदी के संबंध में उन्होंने कहा कि सिर्फ बजट में प्रावधान कर देने भर से नदी पुनर्जीवित नहीं हो सकती। सबसे पहले नदी के पेंच ठीक करना होंगे। इसका प्रारंभिक प्रयोग हमने अमितेश नगर के हिस्से में किया है। इस हिस्से में ट्रीटमेंट प्लांट का पानी छुड़वाया और आज उस पानी में रंग-बिरंगी मछलिया तैर रही हैं। इसी तरह नदी के अगले हिस्से तैयार होंगे।

अराजकता बरदाश्त नहीं करेंगे

गणेशगंज में एक मकान को सील करने के प्रश्न पर महापौर ने कहा कि शहर में ऐसी अराजकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित व्यक्ति के पक्ष में अगर कोर्ट ने कोई फैसला दिया है तो उस फैसले को बड़ी कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। पर अधिकारियों ने दुर्भावनापूर्वक यह कार्रवाई की, मैं स्वयं इस कार्यक्रम में आने से पूर्व उस परिवार से मिला और खेद प्रकट किया। खुद खड़े रहकर ताले खुलवाए। इस मामले में जो भी दोषी होंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

स्व. श्री माथुर का किया पुण्य स्मरण

मूर्धन्य पत्रकार स्व. राजेंद्र माथुर की पुण्यतिथि एवं इंदौर प्रेस क्लब के स्थापना दिवस के मौके पर पत्रकार साथियों ने पलासिया चौराहे स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका पुण्य स्मरण किया। इस मौके पर पद्मश्री भालू मोढ़े, इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविंद तिवारी, उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी, महासचिव हेमंत शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य अभय तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार नीलमेघ चतुर्वेदी, महेंद्र दुबे, मुकेश तिवारी, नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र गरोठिया, डॉ. अर्पण जैन, कमलेश सेन, विमल गर्ग, मदन दुबे, धर्मेश यशलाहा, सुरेश सालुंके, अखिल हार्डिया, मनसुख परमार, राजेंद्र गुप्ता, लक्ष्मीकांत पंडित, महेश शर्मा, शैलेन्द्र श्रीमाल, मुकेश भार्गव, जयसिंह रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में मीडिया के साथी उपस्थित थे।

ट्रैफिक इंजीनियर की स्थाई नियुक्ति होना चाहिए

सत्र में सवाल-जवाब का भी एक दौर हुआ। ट्रैफिक को लेकर उठे सवाल के जवाब में महापौर ने कहा कि 2050 के मॉडल में यातायात को लेकर हम बहुत ध्यान दे रहे हैं। इसके तहत आधारभूत संरचना पर काम हो रहा है। ट्रैफिक इंजीनियरिंग और जनजागरूकता पर काम चल रहा है, लेकिन इसमें जनजागरूकता के मामले में आम लोगों की भूमिका और बढ़ाना होगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम में ट्रैफिक इंजीनियर जैसे पद पर स्थाई नियुक्ति होना जरूरी है, इसके लिए शासन को लिखा भी है। उन्होंने स्वीकार किया कि स्मार्टसिटी का काम लेट चल रहा है, जितने बजट का काम खोल लिया है, उतना बजट मिला नहीं। कान्ह नदी के संबंध में उन्होंने कहा कि सिर्फ बजट में प्रावधान कर देने भर से नदी पुनर्जीवित नहीं हो सकती। सबसे पहले नदी के पेंच ठीक करना होंगे। इसका प्रारंभिक प्रयोग हमने अमितेश नगर के हिस्से में किया है। इस हिस्से में ट्रीटमेंट प्लांट का पानी छुड़वाया और आज उस पानी में रंग-बिरंगी मछलिया तैर रही हैं। इसी तरह नदी के अगले हिस्से तैयार होंगे।

अराजकता बरदाश्त नहीं करेंगे

गणेशगंज में एक मकान को सील करने के प्रश्न पर महापौर ने कहा कि शहर में ऐसी अराजकता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित व्यक्ति के पक्ष में अगर कोर्ट ने कोई फैसला दिया है तो उस फैसले को बड़ी कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। पर अधिकारियों ने दुर्भावनापूर्वक यह कार्रवाई की, मैं स्वयं इस कार्यक्रम में आने से पूर्व उस परिवार से मिला और खेद प्रकट किया। खुद खड़े रहकर ताले खुलवाए। इस मामले में जो भी दोषी होंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

स्व. श्री माथुर का किया पुण्य स्मरण

मूर्धन्य पत्रकार स्व. राजेंद्र माथुर की पुण्यतिथि एवं इंदौर प्रेस क्लब के स्थापना दिवस के मौके पर पत्रकार साथियों ने पलासिया चौराहे स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनका पुण्य स्मरण किया। इस मौके पर पद्मश्री भालू मोढ़े, इंदौर प्रेस क्लब के अध्यक्ष अरविंद तिवारी, उपाध्यक्ष प्रदीप जोशी, महासचिव हेमंत शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य अभय तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार नीलमेघ चतुर्वेदी, महेंद्र दुबे, मुकेश तिवारी, नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी राजेंद्र गरोठिया, डॉ. अर्पण जैन, कमलेश सेन, विमल गर्ग, मदन दुबे, धर्मेश यशलाहा, सुरेश सालुंके, अखिल हार्डिया, मनसुख परमार, राजेंद्र गुप्ता, लक्ष्मीकांत पंडित, महेश शर्मा, शैलेन्द्र श्रीमाल, मुकेश भार्गव, जयसिंह रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में मीडिया के साथी उपस्थित थे।

रेंजर रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

आरोपी वैभव उपाध्याय, फॉरेस्ट रेंजर, वन परिक्षेत्र बाग ,जिला धार

एक लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार बाग रोड से पांडु गुफा तक 3 किलोमीटर रोड के निर्माण का ठेका लिया है, इसमें से लगभग 2 किलोमीटर रोड वन विभाग एरिया में आती है, इसकी अनुमति वन विभाग से ली है। रेंजर वैभव उपाध्याय ने काम रुकवा दिया और लागत का 3 परसेंट रिश्वत के रूप में मांगा है।अभी कुछ समय पहले 96,000/- रुपए भी ले लिए।अभी 2 लाख रुपए रिश्वत देने का कहा है, दिनांक 09.04.2025 को लोकायुक्त SP डॉ राजेश सहाय ने ट्रेप दल गठित करके आरोपी रेंजर को रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम 2018 की धारा-7 के अंतर्गत कार्यवाही बाग में जारी है। ट्रैपदल सदस्य डीएसपी श्री सुनील तालान, निरीक्षक श्री राहुल गजभिए, प्रधान आरक्षक प्रमोद यादव, प्रधान आरक्षक रंजीत द्विवेदी, आरक्षक अनिल परमार,आरक्षक पवन पटोरिया, आरक्षक आशीष नायडू, आरक्षक रामेश्वर निंगवाल आरक्षक कृष्णा अहिरवार सम्मिलित हैं।

बैतूल पुलिस का विशेष कांबिग गश्त अभियान

85 वारंटी गिरफ्तार, जिलेभर में पूरी रात चला सघन अभियान

संदीप वाईकर

बैतूल पुलिस अधीक्षक श्री निश्चल झारिया के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी के मार्गदर्शन में जिलेभर में विशेष कांबिंग गश्त अभियान चलाया गया। दिनांक 8 अप्रैल 2025 की दरमियानी रात बैतूल जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस बल ने सघन गश्त करते हुए प्रभावी कार्रवाई की।

इस अभियान में सभी अनुविभागीय अधिकारी (SDOP) एवं थाना प्रभारियों ने स्वयं अपनी उपस्थिति में पुलिस बल के साथ अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए त्वरित कार्रवाई की। इस दौरान स्थायी, फरारी एवं गिरफ्तारी वारंटियों की धरपकड़ के साथ ही गुंडा व निगरानी बदमाशों की सघन चेकिंग की गई।

लंबे समय से फरार 35 स्थायी वारंटी एवं 50 गिरफ्तारी वारंटी सहित कुल 85 वारंटी गिरफ्तार गौवंश अधिनियम, आर्म्स एक्ट, मारपीट, जुआ एक्ट, चोरी, वन अधिनियम, आबकारी, लूट एवं डकैती जैसे गंभीर अपराधों में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी अप्रैल 2025 में अब तक कुल 44 स्थायी वारंट एवं 180 गिरफ्तारी वारंट तामील 58 गुण्डा/निगरानी बदमाश एवं जिला बदर व्यक्तियों की चेकिंग

बैतूल पुलिस की सतर्कता से अपराधों पर प्रभावी रोकथाम

कांबिंग गश्त अभियान के तहत बैतूल पुलिस अपराधियों पर लगातार शिकंजा कस रही है। थाना क्षेत्रों में गुंडा, निगरानी बदमाशों एवं जिला बदर अपराधियों की चेकिंग से अपराधों पर नियंत्रण की दिशा में ठोस कदम उठाए गए हैं। इस तरह के अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे, ताकि असामाजिक तत्वों को क्षेत्र में अशांति फैलाने से रोका जा सके।

बैतूल पुलिस की जनता से अपील-* बैतूल पुलिस जिले के नागरिकों से अपील करती है कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की जानकारी मिलती है, तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। इससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी और जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा

अमेरिका और चीन की लड़ाई से तेल में हो गया बड़ा खेल

भारत की आने वाली है मौज!

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में आज भारी गिरावट आई है और यह चार साल के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गया है। दुनिया की दो सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देशों अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर गहराने से क्रूड की यह दुर्गति हुई है। इसकी एक वजह यह भी है कि सप्लाई बढ़ने से कीमत गिर रही है। पिछले पांच दिनों से तेल के दाम लगातार गिर रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आने वाले सामान पर बहुत ज्यादा टैक्स लगा दिया है। इससे डर है कि दुनिया में ट्रेड कम हो जाएगा और तेल की मांग भी कमी आएगी। अमेरिका चीन का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है जबकि चीन अमेरिका का दूसरा बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है। इससे समझा जा सकता है कि इन दोनों देशों के लिए एकदूसरे की क्या अहमियत है। दोपहर 12 बजे ब्रेंट क्रूड 2.07 यानी 3.30 फीसदी की गिरावट के साथ 60.75 प्रति बैरल रह गया। इसी तरह .स. वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड ऑयल का दाम 2.17 गिरकर 57.41 हो गया। यह 3.64 प्रतिशत की गिरावट है। ब्रेंट का दाम मार्च 2021 के बाद सबसे कम है और दाम फरवरी 2021 के बाद सबसे कम है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका चीन से आने वाले सामान पर 104 प्रतिशत टैक्स लगाएगा। ट्रंप ने कहा था कि अगर चीन अमेरिकी सामान पर लगाए गए टैक्स को नहीं हटाता है तो वह और ज्यादा टैक्स लगाएंगे।

चीन-अमेरिका की लड़ाई

चीन ने कहा है कि वह अमेरिकी धमकियों के आगे नहीं झुकेगा। ट्रंप ने कहा था कि अगर चीन अमेरिकी सामान पर लगाए गए 34 प्रतिशत टैक्स को नहीं हटाता है तो वह चीन के सामान पर 50 प्रतिशत और टैक्स लगाएंगे। ट्रंप ने हाल में करीब 60 देशों पर टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। चीन पर 34 फीसदी टैरिफ लगाया गया था जो पहले लगाए गए 20 फीसदी टैरिफ के अतिरिक्त था। इस तरह चीन पर कुल टैक्स 54 फीसदी हो गया। इसके जवाब में चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 34 फीसदी टैरिफ लगा दिया था। जानकारों का कहना है कि चीन का आक्रामक रुख दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच जल्दी समझौता होने की संभावना को कम करता है, जिससे दुनिया भर में आर्थिक मंदी का डर बढ़ रहा है। इसका मतलब है कि चीन और अमेरिका के बीच लड़ाई से दुनिया में आर्थिक मंदी आ सकती है। इससे दुनिया में तेल की खपत कम हो सकती है। तेल के दाम गिरने का एक और कारण है। ओपेक+ देशों ने मई में 411,000 बैरल प्रति दिन उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे तेल की सप्लाई बढ़ जाएगी और दाम गिर जाएंगे।

14 की उम्र में शादी, 34 में तलाक... आज 13 बसों की मालकिन

नई दिल्ली , एजेंसी। नीता की कहानी एक ऐसी साहसी महिला की है, जिन्होंने भाग्य के आगे हार मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने अपनी तकदीर खुद लिखने का फैसला किया। 14 साल की उम्र में शादी, 15 साल की उम्र में मां, फिर 34 साल की उम्र में तलाक के बाद नीता आज 13 बसों वाली कंपनी श्री नीता ट्रैवल्स की मालकिन हैं। उन्होंने समाज के तानों और मुश्किलों का सामना करते हुए यह मुकाम हासिल किया है। आइए, यहां नीता की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। अक्सर समाज में शादी को महिलाओं का अंतिम लक्ष्य माना जाता है। लेकिन, कई महिलाओं के लिए यह बंधन बन जाता है। वे चुपचाप दुख सहती हैं। हिंसा झेलती हैं।

नीता ने दिखाई हिम्मत

नीता की कहानी ऐसी ही एक महिला की है। वह महाराष्ट्र की रहने वाली हैं। उनकी शादी सिर्फ 14 साल की उम्र में हो गई थी। 15 साल की उम्र तक वह मां बन गई थीं। उनकी जिंदगी संघर्षों से भरी थी। अपने तीन बच्चों के लिए उन्होंने सालों तक एक हिंसक रिश्ता सहा। हर बार जब उनके पति ताना मारते थे तो नीता के अंदर एक आग जल उठती थी। यह आग उन्हें खुद को साबित करने की प्रेरणा देती थी। इसी प्रेरणा ने उन्हें अपना रास्ता चुनने के लिए प्रोत्साहित किया।

जिले में नरवाई प्रबंधन हेतु विभिन्न दलों का गठन

रंजीत टाइम्स

रतलाम 1 कलेक्टर राजेश बाथम के निर्देश पर अपर कलेक्टर डा. शालिनी श्रीवास्तव ने नरवाई प्रबंधन हेतु निगरानी दल का गठन किया है। अपर कलेक्टर डा. श्रीवास्तव द्वारा जिले में नरवाई प्रबंधन प्रचार प्रसार हेतु रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। जारी आदेश के अनुसार नरवाई प्रबंधन हेतु समुचित मात्रा में प्रत्येक विकासखण्ड में हैप्पी सीडर/सुपर सीडर की स्वीकृति, उपलब्धता सहायक कृषि यंत्री सुनिश्चित करेंगे। गठित निगरानी दल में संबंधित क्षेत्र के नायब तहसीलदार, कृषि विस्तार अधिकारी तथा थाना प्रभारी, पटवारी तथा कोटवार को शामिल किया गया है। सेटेलाइट से प्राप्त प्रतिदिन की घटनाएं उपसंचालक कृषि के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। जानकारी प्राप्त होने के 48 घंटे के भीतर निगरानी दल द्वारा स्थल पर पहुंचकर पंचनामा तैयार कर तहसील कार्यालय को प्रस्तुत किया जाएगा तथा तहसीलदार संबंधित अपचारी कृषकों को युक्तियुक्त अवसर प्रदान कर एवं सुनवाई कर 15 दिवस के अन्दर अर्थदण्ड अधिरोपित करेंगे। उक्त आदेश का पालन कराए जाने तथा उल्लंघन की स्थिति निर्मित न हो, इस हेतु पर्यवेक्षण दल का भी गठन किया गया है ।

वक्फ संशोधन विधेयक 2025: भ्रांति, डर और तुष्टिकरण से इतर सच्चाई

वक्फ (संशोधन) विधेयक की फाइनल परीक्षा में मोदी सरकार अव्वल नंबरों से पास हो गई। बिल कानून की शक्ल ले चुका है। राष्ट्रपति की मंजूरी मिल चुकी है, अब 'वक्फ संशोधन विधेयक, 2025' नए क़ानून के तौर पर उम्मीद (यूनिफाइड वक्फ मैनेजमेंट एंपॉवरमेंट एफिशिएंसी एंड डेवलपमेंट) के नाम से जाना जाएगा। न सिर्फ मोदी सरकार बल्कि मुस्लिम समाज के भी कई लोग इसे ऐतिहासिक बदलाव मान रहे हैं तो विपक्ष अब भी इसे लेकर लकीर पीट रहा है। ऐसे में वक्फ संशोधन बिल को लेकर कही जा रहीं 'अपुष्ट' बातों की हकीकत जानना जरूरी है। सवाल यह भी है कि कहीं इस विरोध की आड़ में भी एक बार फिर ट्रिपल तलाक, धारा 370 और ष्ट्र प्रोटेस्ट की तर्ज पर पुरानी बोतल में नई शराब भरने की नाकामयब कोशिश तो नहीं की जा रही? जिसका प्रयोग हमेशा डर, भ्रांति और तुष्टिकरण की सियासत के लिए किया जाता रहा है। इसे समझने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि सरकार को य विधेयक लाने की जरूरत क्यों पड़ी?

अमित शर्मा

वैसे तो वक्फ की संपत्तियों से जुड़े तमाम विवाद हैं लेकिन कानूनी तौर 2013 में लिए गए एक सरकारी फैसले ने इस विवाद को गहरा दिया। दरसअसल 2013 में वक्फ कानून में संशोधन किया गया। इन संशोधन के बाद वक्फ कानून अपने आप में तमाम नियम, कायदे-कानून को भी 'सुपरसीड' करते हुए फैसले लेने की ताकत हासिल कर गया। दिल्ली में लुटियन्स जोन की 123 वीवीआईपी संपत्तियों को वक्फ को दिए जाने के मामले ने न सिर्फ मौजूदा सरकार का बल्कि जनता का ध्यान भी अपनी तरफ खींचा। दरअसल मात्र 5.30 घंटे की चर्चा कर लाया गया 2013 का संशोधन वक्फ की गड़बड़ियों पर पर्दा डालने की फौरी कोशिश के अलावा कुछ नहीं था। इसकी पुष्टि इन आंकड़ों से होती है- 1913 से 2013 तक वक्फ बोर्ड की कुल भूमि 18 लाख एकड़ थी, लेकिन इस संशोधन के बाद 2013 से 2025 तक और नई 21 लाख एकड़ भूमि बढ़ गई। गड़बड़ी का आलम यह है कि लीज पर दी गई संपत्तियां 20 हजार थीं, लेकिन रिकॉर्ड के हिसाब से 2025 में ये संपत्तियां शून्य हो गईं। कुल मिलाकर वक्फ की गड़बड़ियों पर 2013 में क़ानून की शक्ल मे डाले गए पर्दे में इतने छेद हो गए कि तमाम गड़बड़ियां छिपाए न छिप सकीं।

इसके अलावा तमाम राज्यों में भी वक्फ संपत्ति के दावों को लेकर विवाद देखे जाते रहे हैं। इन विवादों के चलते कई जगहों पर सांप्रदायिक तनाव की स्थिति भी बनती रही है। सरकारी आंकड़ों पर गौर करें तो सितंबर 2024 तक 25 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वक्फ बोर्डों में कुल 5973 सरकारी संपत्तियों को वक्फ संपत्ति घोषित कर दिया गया। इनमें तमिलनाडु के थिरुचेंथुरई गांव के किस्से ने तो देश में वक्फ में बैठे कुछ लोगों को ऐसे 'चोर' के तौर पर बेनकाब किया जो 'चोरी तो चोरी, सीनाजोरी' भी करते दिखे। वक्फ के इस गोरखधंधे का पता तब चला जब एक किसान राजगोपाल अपनी बेटी की शादी के लिए अपनी जमीन का कुछ हिस्सा बेचने निकले। तब उनसे कहा गया कि वक्फ से एनओसी लेकर आओ। किसान के पैरों तले जमीन खिसक गई जब उसे पता चला कि वर्षों से जिस जमीन को वह अपने पसीने से सींच कर उम्मीदों की फसल उगा रहा था उस पर किसी और का कब्जा है। इतना ही नहीं वक्फ बोर्ड ने पूरे गांव पर अपना दावा ठोंक रखा था।

वक्फ के बड़े खेल में बिहार के गोविंदपुर गांव का भी मामला है। बिहार सुन्नी वक्फ बोर्ड ने अगस्त 2024 में पूरे गांव पर अपना दावा ठोंक दिया। इस ज्यादती के चलते कितने परिवार प्रभावित हुए। कोई अपने सिर से छत गंवा बैठा किसी के पास जोतने के लिए खेत न बचा। यह मामला अभी भी पटना उच्च न्यायालय में चल रहा है। केरल एर्नाकुलम जिले के करीब 600 ईसाई परिवारों की पुश्तैनी जमीन पर वक्फ बोर्ड ने कब्जा कर लिया। बक्फ बोर्ड के इस 'कारनामे' का विरोध सितंबर 2024 से हो रहा है। इस मामले को लेकर संयुक्त संसदीय समिति में अपील भी की गई है। कर्नाटक में तो गजब ही हो गया। 2024 में वक्फ बोर्ड ने विजयपुरा में 15,000 एकड़ जमीन को वक्फ जमीन के रूप में घोषित कर दिया। इसके बाद किसानों ने जबरदस्त विरोध प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश के आगरा, लखनऊ, प्रयागराज जैसे कई शहरों में वक्फ बोर्ड में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर

शिकायतें समय-समय पर होती रही हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने वाले इस बदलाव को मुस्लिमों के धार्मिक क्रियाकलापों और उनके द्वारा दान की गई संपत्तियों में दखल की बात कह कर डरा रहे हैं। जबकि लोकसभा में चर्चा के दौरान देश के गृहमंत्री अमित शाह खुद इस बात को साफ कर चुके हैं कि मुस्लिम भाइयों के धार्मिक क्रियाकलाप और उनके बनाए हुए दान से जुड़े ट्रस्ट यानि वक्फ में सरकार कोई दखल नहीं करना चाहती। सरकार की तरफ से साफ किया गया है कि मुतवली, वाकिफ, वक्फ सब मुस्लिम ही होंगे, लेकिन यह जरूर देखा जाएगा कि वक्फ की संपत्ति का रखरखाव ठीक से हो रहा है या नहीं। बिल में यह भी स्पष्ट है कि वक्फ बोर्ड में धार्मिक दान से जुड़े कार्यों में किसी गैर-इस्लामिक सदस्य को जगह नहीं मिलेगी।

इस विधेयक में इस बात का जरूर ध्यान रखा गया है कि धार्मिक स्वतंत्रता के नाम किसी भी तरह की गड़बड़ी न होने पाए। इसलिए आगे से चैरिटी कमिश्नर किसी भी धर्म का व्यक्ति बन सकता है। क्योंकि चैरिटी कमिश्नर का काम धार्मिक नहीं बल्कि प्रशासनिक है, जिसकी जिम्मेदारी होगी कि बोर्ड का संचालन चैरिटी कानून के मुताबिक हो। राय-मशविरा न करने के विपक्ष के आरोप पर सरकार की तरफ से स्पष्ट किया गया है कि इस विधेयक को अमलीजामा पहनाने के लिए संयुक्त समितियां बनाई गईं, 38 बैठकें हुईं, 113 घंटे चर्चा हुई और 284 हितधारक बनाए गए। इन सबसे देशभर से लगभग एक करोड़ ऑनलाइन सुझाव आए जिनकी मीमांसा कर ये कानून बनाया गया। कुल मिलाकर सरकार इसे विपक्ष के माइनॉरिटी समुदाय को डरा कर अपनी वोट बैंक खड़ी करने की एक कोशिश से ज्यादा कुछ नहीं मानती। क्योंकि सरकार ही नहीं बल्कि देश के तमाम हिस्सों से मुस्लिम समुदाय की तरफ से आ रही प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि वक्फ बोर्ड का काम वक्फ की संपत्तियां बेच खाने वालों को पकड़ कर बाहर निकालने का होना चाहिए न कि अनियमितताओं पर पर्दे डालने का।

वक्फ के विरोध के नाम पर चलाई जा रही डर की दुकानों से बांटे जा रहे भ्रांति के पर्चों पर लिखी झूठी कहानियों की सच्चाई इस बात से उजागर होती है कि नए कानून में न सिर्फ मुस्लिम महिलाओं और कानूनी उत्तराधिकारियों के अधिकार सुरक्षित करना सुनिश्चित किया जा रहा है बल्कि मुस्लिम बच्चियों के बेहतर भविष्य का भी खयाल रखने कि मंशा दिखती है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक विधेयक में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और वित्तीय स्वतंत्रता कार्यक्रमों को बढ़ावा देकर मुस्लिम महिलाओं, विशेष रूप से विधवाओं और तलाकशुदा महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार करने का भी प्रयास किया गया है। इसके अलावा 'न खाता न बही' वाला फॉर्मूला भी नहीं चल पाएगा। अब बाकायदा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए वक्फ रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण होगा। पारिवारिक विवादों और उत्तराधिकार अधिकारों के लिए कानूनी सहायता केंद्रों की स्थापना होगी।

वक्फ विधेयक का विरोध करने वालों से पूछा जाना चाहिए कि उन्हें महिलाओं को सशक्त होते देख डर लग रहा है? क्योंकि नए कानून के अमल में आने से वक्फ में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी, परिणामस्वरूप पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और वक्फ संसाधनों का दुरुपयोग रुकेगा। अब वक्फ सिर्फ जमीनों को खुर्दबुर्द करने व धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर असल जिम्मेदारियों को नजरअंदाज कर मनमानी करने वालों का 'अड्डा' मात्र बन कर नहीं रह पाएगा बल्कि इसको गरीबों के उत्थान, महिलाओं के कल्याण व सांप्रदायिक सद्भावना की दिशा में काम करने वाले एक इंस्टीट्यूशन के तौर पर पहचान मिल सकती है। नए कानून के बाद मुस्लिम लड़कियों के लिए छात्रवृत्ति का इंतजाम होगा। स्वास्थ्य सेवा और मातृत्व कल्याण के लिए कदम उठाए जाएंगे। महिला उद्यमियों के लिए कौशल विकास और माइक्रोफाइनेंस सहायता देने की भी सरकार की मंशा है। मुस्लिम लड़कियां भी फैशन डिजाइन, स्वास्थ्य सेवा और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण हासिल कर सकेंगी इतना ही नहीं विधवाओं के लिए पेंशन जैसी बड़ी योजना भी है।

वक्फ संशोधन विधेयक के जरिए सरकार अब वक्फ में 'न खाता, न बही' की पुरानी कार्यशैली पर ताला लगाने जा रही है। अब पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए इसके तमाम रिकॉर्ड्स का डिजिटलीकरण होगा। एक केंद्रीकृत डिजिटल पोर्टल वक्फ संपत्तियों की पहचान करेगा, जिससे बेहतर निगरानी और प्रबंधन सुनिश्चित होगा। ऑडिटिंग और अकाउंटिंग से वित्तीय कुप्रबंधन पर अंकुश लगाने की तैयारी है यानी कि यह सुनिश्चित होगा कि फंड का इस्तेमाल केवल कल्याणकारी उद्देश्यों के लिए किया जाए। अल?पसंख?यक कार्य मंत्रालय के मुताबिक वक्फ भूमि के दुरुपयोग और अवैध कब्जे को रोकने से वक्फ बोर्डों के राजस्व में वृद्धि होगी, जिससे उन्हें कल्याणकारी कार्यक्रमों का विस्तार करने में मदद मिलेगी। बजट का बंदरबांट रोकने के लिए स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, आवास और आजीविका सहायता के लिए फंड आवंटित किया जाएगा, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों का भला होगा। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 में पिछड़े वर्गों और मुस्लिम समुदायों के अन्य संप्रदायों का भी खास ध्यान रखा गया है। विधेयक में राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के वक्फ बोर्डों में बोहरा और अघाखानी समुदायों से एक-एक सदस्य को शामिल करने का प्रावधान है। साथ ही, बोर्ड में शिया और सुन्नी सदस्यों के अलावा पिछड़े वर्गों से संबंधित मुसलमानों का प्रतिनिधित्व होगा। इतना ही नगर पालिकाओं या पंचायतों से दो या अधिक निर्वाचित सदस्यों को शामिल कर, वक्फ मामलों में स्थानीय शासन को मजबूत किया जाएगा। पारदर्शिता और अन्य वर्ग की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से बोर्ड में पदेन सदस्यों को छोड़कर दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को भी शामिल किया जाएगा।

गौ सेवा सवर्धन और सुरक्षा के लिए आम लोगों को आगे आना होगा : श्री कृष्णानंद महाराज

उज्जैन -खाचरोद। गायों की सेवा सुरक्षा और सवर्धन के लिए जगत जननी भगवती मां बगलामुखी सिद्व पीठ ग्राम चौकी तहसील खाचरौद के श्री श्री 1008 श्री परम पूज्य गुरुदेव स्वामी पीठाधीश्वर कृष्णानंद जी महाराज ने गुडी पडवा से पदयात्रा की शुरूआत की है। जो मप्र के विभिन्न भागों में पहुंचकर गौ सेवा के लिए जन जागरण करेगी। एक मुलाकात में कृष्णानंद जी ने बताया कि जो समाज गायों की उपेक्षा करता है। वह कभी आगे नहीं बढ सकता है। क्योंकि मनुष्य के जीवन में गौ माता धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों पुरूषार्थो का आधार है। श्री कृष्णानंद जी राष्ट्रीय गौ सेवा संघ के माध्यम से गौ सेवा सुरक्षा एवं संवर्धन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर आंदोलन चला रहे है। कृष्णानंद महाराज पिछले दिनों उस समय सुर्खियों में आ गये थे। जब उन्होंने जावरा के समीप एक गौ शाला में 544 गायों के गायब होने का मुद्दा उठाते हुए अपने साथी संतो के साथ मुंडन करवाया था। तथा गायों की सुरक्षा के मुद्दे पर प्रशासन द्वारा कोई कदम

नहीं उठाने की स्थिति में हिमालय प्रस्थान करने की घोषणा की थी। बाद में उनके भक्तों अनुयायीयों तथा बुद्वीजीवियों तथा अनेक सामाजिक धार्मिक संगठनों के द्वारा आग्रह करने पर उन्होंने अपना इरादा स्थगित कर दिया था। कृष्णानंद जी ने बताया कि इस समय कई फर्जी व असामाजिक लोग गौ सेवा की आड में सरकारी अनुदान प्राप्त कर बडे घोटाले को अंजाम दे रहे है। उनकी पहचान होनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में भारत का मध्यम वर्ग हाइपरटेंशन,

शुगर, केंसर, लीवर तथा कीडनी की खराबी जैसी भयानक बीमारियों की चपेट में है। यदि गौ आधारीत कृषि को बढावा नहीं दिया गया तो आगामी दिनों में भारत कैंसर की राजधानी बन जायेगा। उल्लेखनीय है कि भारत के अनेक महानगरों में तथा कस्बों में केंसर 183 प्रतिशत दर से बढ रहा है।

फर्जी निकली किंग में दीपिका के होने की खबर

- सिद्धार्थ की ट्वीट के बाद आया चौंकाने वाला अपडेट

पिछले करीब तीन दिनों से ऐसे दावे किए जा रहे हैं कि शाहरुख खान की आगामी फिल्म किंग में दीपिका पादुकोण की एंट्री हो गई है। फैंस इसे लेकर खुशी मनाने लगे। मगर, अब जो जानकारी आई है वो ये है कि खबर एकदम फर्जी है। शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी परदे पर हमेशा कमाल करती है। फैंस के लिए तो यह मानो ट्रीट होती है, वहीं दीपिका के साथ शाहरुख की जोड़ी हो तो बॉक्स ऑफिस पर भी सफलता पक्की सी हो जाती है। किंग खान इन दिनों फिल्म किंग को लेकर चर्चा में हैं, जिसके जरिए उनकी बिटिया सुहाना बड़े परदे पर डेब्यू कर रही हैं। पिछले कुछ दिनों से मीडिया रिपोर्ट्स में दावे किए जा रहे हैं कि किंग में दीपिका पादुकोण भी नजर आएंगी। फैंस इस खबर पर खुशियां मनाने लगे। मगर, सच्चाई ये है कि किंग में दीपिका का मौजूदगी की खबर एकदम फर्जी है।

सिद्धार्थ के ट्वीट से साफ हुई तस्वीर

बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग में दीपिका के किरदार को लेकर भी पक्के दावे किए जाने लगे। कहा गया कि वे सुहाना खान की मां की भूमिका में दिखाई देंगी। मगर, इस फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने खुद इन खबरों का खंडन अपने एक ट्वीट से कर दिया है। एक ट्वीट उन्होंने कल सोमवार को साझा किया था। और अब आज मंगलवार 08 अप्रैल को भी एक ट्वीट किया है। इसमें उन्होंने ज्यादा कुछ नहीं लिखा। सिर्फ यही लिखा है, खबर गलत है। इसी से साफ है कि उनका संदर्भ फिल्म किंग में दीपिका की मौजूदगी को लेकर है।

क्या परेश रावल ने बता दी...

'हेरा फेरी 3' की रिलीज डेट?

परेश रावल का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में उन्होंने एक प्रशंसक के सवाल का जवाब दिया, जिससे लोग अटकलें लगाने लगे की अभिनेता ने 'हेरा फेरी 3' की रिलीज डेट को लेकर हिंट दिया है। 'हेरा फेरी फ्रेंचाइजी' की तीसरी किस्त आखिरकार अपने मूल कलाकारों अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी के साथ आ रही है। कहा जा रहा है कि प्रियदर्शन, जिन्होंने इसकी पहली किस्त का निर्देशन किया था। वह भी इससे वापसी कर रहे हैं। हर कोई इसका बेसब्री के साथ इंतजार कर रहा है। हाल ही में परेश रावल ने एक पोस्ट के जवाब में फिल्म से जुड़ा एक बड़ा और महत्वपूर्ण हिंट दिया है। हाल ही में अभिनेता परेश रावल ने अंदाज अपना-अपना फिल्म के री-रिलीज का ट्रेलर शेयर किया। पोस्ट पर रिप्लाई करते हुए एक फैन ने लिखा, हम बाबू भाई मिस्टर तेजा का इंतजार कर रहे हैं। इस पर रावल ने जवाब दिया, जल्द ही ! अगले मानसून से पहले ! परेश रावल के जवाब से नेटिजन्स ने अटकलें लगानी शुरू कर दी कि क्या उन्होंने 'हेरा फेरी 3' को लेकर अपडेट दी है? नेटिजन्स ने इस पर प्रतिक्रिया भी देनी शुरू कर दी है। वह मजेदार पोस्ट भी सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं।

नोरा को छोटे प्रशंसकों ने प्यार से किया सराबोर

नोरा फतेही सिर्फ एक ग्लोबल स्टार नहीं हैं जो अपनी अंतरराष्ट्रीय हिट स्नेक के साथ म्यूजिक चार्ट्स पर राज कर रही हैं, बल्कि वह अपने सबसे छोटे प्रशंसकों का दिल भी जीत रही हैं ! दिल को छू लेने वाला एक वीडियो जो अब वायरल हो रहा है। उसमें छोटे प्रशंसकों की एक समूह ने नोरा को घेर लिया और ढेर सारा प्यार दिया, जिसमें एक प्यारे बच्चे ने उन्हें अपने स्नेह के प्रतीक के रूप में ब्रेसलेट भी गिफ्ट किया है। यह पल गर्मजोशी से भरा हुआ था क्योंकि नोरा ने बच्चों के साथ बातचीत की, जो उनकी प्यारी ऊर्जा और वास्तविक उत्तेजना से स्पष्ट रूप से प्रभावित थे। हंसी, गले लगाना और स्नेक के लिए मासूम सराहना करते हुए, बच्चों की प्रतिक्रियाएं यह याद दिलाने वाली थीं कि नोरा का प्रभाव पीढ़ियों तक गहरी छाप छोड़ता है। नोरा फतेही ने इस अविस्मरणीय याद को साझा करने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया, और कैप्शन में लिखा ओएमजी मैं सचमुच रो रही हूँ, उनमें से एक ने मुझे एक ब्रेसलेट दिया और उन्हें स्नेक बहुत पसंद आया ! कितना प्यारा पल था... इन खूबसूरत बच्चों ने मेरा साल बना दिया। उनका प्यार और ऊर्जा मुझे जीवन दे रही है ! वैश्विक मंचों से लेकर असल जीवन के प्रशंसक प्यार तक, नोरा यह साबित करती जा रही हैं कि उनका दर्शकों से जुड़ाव गहरा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया है, जिसमें प्रशंसक उनकी दयालुता की सराहना कर रहे हैं और इस पल को प्योर हैप्पीनेस कह रहे हैं। नोरा फतेही को कोई नहीं रोक सकता। बॉलीवुड दर्शकों को लुभाने से लेकर ग्लोबली ध्यान आकर्षित करने तक, वह अपने परफॉर्मेंस से इंडस्ट्री में छाई हुई हैं। हाल ही में उनकी उपस्थिति ने प्रतिष्ठित वैनिटी फेयर ऑस्कर आफ्टर-पार्टी में लोगों का ध्यान खींचा और सुर्खियाँ बटोरीं, जिससे वह हॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

सैफ पर हमला मामले में पुलिस ने दाखिल की 1000 पन्नों की चार्जशीट

बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान पर चाकू से हुए हमले की घटना मामले में पुलिस को आरोपी के खिलाफ अहम सबूत मिले हैं। एक्टर पर इस साल जनवरी में उनके मुंबई के बांद्रा स्थित घर में एक हमलावर ने चाकू से वार किए। इस मामले में पुलिस को आरोपी शरीफुल इस्लाम के खिलाफ अहम सबूत मिले हैं। पुलिस ने 1000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। मुंबई की बांद्रा पुलिस ने इस मामले में बांद्रा कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। इस चार्जशीट में गिरफ्तार आरोपी शरीफुल इस्लाम के खिलाफ पुलिस को मिले कई सबूत शामिल हैं। यह चार्जशीट 1000 पन्नों से भी अधिक की है। इस चार्जशीट में फॉरेंसिक लैब की रिपोर्ट का भी जिक्र किया गया है।

क्राइम सीन से मिले अहम सबूत

मुंबई पुलिस के मुताबिक, चार्जशीट में बताया गया है कि क्राइम सीन पर सैफ अली खान के शरीर से और आरोपी के शरीर से मिले चाकू के टुकड़े एक ही चाकू के तीन टुकड़े हैं। साथ ही जांच के दौरान पुलिस को मिले आरोपी के बाएं हाथ के फिंगरप्रिंट रिपोर्ट का भी जिक्र किया गया है।

जनवरी में हुआ था हमला

आरोपी शरीफ को जनवरी में अभिनेता सैफ अली खान के बांद्रा स्थित घर में घुसकर कथित तौर पर चाकू घोंपने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने अदालत को बताया कि हमले के दौरान अभिनेता की रीढ़ के पास फंसा चाकू का टुकड़ा तथा घटनास्थल पर मिला एक हिस्सा शरीफ-उल से बरामद हथियार से मेल खाता है। बता दें कि चाकू से हमले की घटना के बाद सैफ लीलावती अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे। वहां उनकी सर्जरी हुई।

जिस सनातन धर्म मे जन्म लिया मरते दम तक उसी धर्म का पालन करो अपने हिन्दू होने पर गर्व करो-देवी चित्रलेखा जी

मेघनगर 1 भगवान मिलने के बाद भी काम तो भक्ति ही आयेंगी सत्संग ही आएगा....कोई परिचय पूछे तो गर्व से कहो मैं भारत की भूमि से हूँ अपने सनातन धर्म पर गर्व करों अपने हिन्दू होने पर गर्व करो हमारा सौभाग्य है कि हमको भगवान ने भारत की भूमि पर जन्म दिया 1 युवाओं को धर्म को आगे ले जाना चाहिए 1 पूरी दुनिया भी जोर लगा दे तो सनातन धर्म को नही मिटा सकता 1 जब तक धरती रहेगी तब तक सनातन धर्म जीवित रहेगा 1 धर्म है तो हम जीवित है धर्म ही सही मार्गो को प्रशस्त करता हैं.... भगवान से जुडे भजनों को अपनी मीठी वाणी में गाकर भी देवी चित्रलेखा जी ने श्रीमद भागवत कथा के प्रमुख दृश्यों का वर्णन किया 1 उन्होने कहा कि धर्म बचेगा तो हम सुरक्षित रहेंगे गौ माता की सेवा सबको करनी ही चाहिए गौ माता वात्सल्य का श्रेष्ठ स्वरूप है 1 गौ सेवा करने से भगवान की कृपा प्राप्त होती है 1 भगवान राम और भगवान कृष्ण इस देश की पहचान है 1 बुधवार को फुटतालाब में चल रही श्रीमद भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्मोउत्सव मनाया गया 1 नंद उत्सव श्री कृष्ण जन्मोत्सव में लोगों का उत्साह चरमोत्कर्ष पर दिखाई दिया 1 इस अवसर पर श्रीमती सीमा सुरेश जैन और परिवार ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव में विशेष रूप से फूलों की वर्षा कर भगवान का अभिनंदन और स्वागत किया विशेष रूप से इस अवसर पर खिलौने और बिस्कुट के साथ महाप्रसादी भी वितरित की गई 1 भगवान को माखन और मिश्री का भोग लगाया गया सभी ने एक दूसरे को श्री कृष्ण जन्म उत्सव नंद उत्सव की बधाई दी अधिकतर महिलाएं पीले वस्त्र पहनकर आई थी सभी ने नृत्य कर भगवान श्री कृष्ण के जन्म की खुशियां मनाई....

वृंदावन की पूनम दीदी की भजन सँध्या में भावुक हुए श्रद्धालु....

वही मंगलवार शाम वृंदावन से फुटतालाब पहुँची प्रख्यात भजन गायक और संत पूनम दीदी ने जब इस दिल मे बसाने को हरी अपने चरण दे दो....मुझे अपने ही रँग में रंग ले मेरे यार सांवरे जैसे श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबे भजन गाये तो श्रद्धालुओं की आँखे छलक आयी 1 पूनम दीदी को सुनने रानापुर आलीराजपुर पास के राज्य गुजरात से भी लोग पहुँचे 1 उनके भावनात्मक भजनों के बीच भक्तों ने नृत्य भी किया 1 उनके साथ आये सभी कलाकारो भी लगातार सराहना की गयी सुरेश चंद्र पूरणमल पप्पू भियाँ राजेश रिंकु जैन जैकी जैन और परिवार ने अभिनंदन कर उनका आत्मीय स्वागत किया 1 आयोजन समिति के सभी सदस्यों के साथ वरिष्ठ समाजसेवी श्रीसुरेश चंद्र पूरणमल जैन राजेश रिंकु जैन जैकी जैन ने बतायाकि आज अनुष्का अधिष्टा देवी द्वारा श्रीखाटू श्याम जी के भजन और महावीर जयंती के उपलक्ष्य में जैन भजनो की प्रस्तुतियां दी जायेगी 1 उन्होंने नगर और जिले के लोगो के साथ ग्रामीण अंचल की माताओं बहनों से भी विनम्र आग्रह किया कि प्रतिदिन प्रातः 11 से दोपहर 2 बजे तक कथा में पधारे शाम 8 बजे धार्मिक भजनों के कार्यक्रम में भी आये साथ ही प्रतिदिन सुबह शाम होने वाली श्रीरामभक्त हनुमान जी की महाआरती में भी सम्मलित हों 1

टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए कर बना सकते हैं बेहतर करियर

भारत का दूरसंचार उद्योग (टेलीकॉम इंडस्ट्री) विश्व का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम उद्योग है। कारण है विशाल जनसंख्या। जितनी जनसंख्या, उतने उपभोक्ता और जितने उपभोक्ता, उतना बड़ा उद्योग। टेलीकॉम सेक्टर में टेलीफोन, टेलीविजन, इंटरनेट आदि शामिल हैं। आज शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक दूरसंचार साधनों का उपयोग हो रहा है। साथ ही, सरकार ने ई-गवर्नेंस भी शुरू किया है। कुल मिलाकर, टेलीकॉम के क्षेत्र में करियर निर्माण की बहुत उजली संभावनाएं हैं। आप टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करके बेहतर करियर बना सकते हैं।

क्या है एमबीए टेलीकॉम मैनेजमेंट

टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए दरअसल मैनेजमेंट और टेक्नोलॉजी का मेल है। यह कोर्स करके आप दूरसंचार के विस्तृत नेटवर्क को मैनेज करने की स्किल्स सीख सकते हैं। इस डिग्री से आप टेलीकॉम ऑपरेशंस के इन पहलुओं पर पकड़ बना सकते हैं- फाइनेंस, ऑपरेशंस, मार्केटिंग, रेग्युलेटरी, लीगल फ्रेमवर्क। यह कोर्स 2 साल का होता है।

कौन कर सकता है यह कोर्स

आप भी यह कोर्स कर सकते हैं, यदि आपके पास कम से कम 50 प्रतिशत अंकों के साथ बैचलर्स डिग्री है और आपने कैट/ जीमैट/ जैट/ स्नैप/ सीमैट आदि जैसी कोई प्रवेश परीक्षा क्लियर कर ली है। यदि आप इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस स्ट्रीम में इंजीनियरिंग की पृष्ठभूमि से हैं, तो इससे आपको अतिरिक्त लाभ होगा।

जरूरी स्किल्स

सूचना और संचार प्रणालियों की मूलभूत अवधारणाओं को समझने के अलावा कुछ और स्किल्स होना जरूरी है। इसके लिए स्वयं से ये सवाल पूछें –

- क्या आपका दिमाग सदा सक्रिय रहता है
- क्या आप निर्णयक्षमता के धनी हैं
- क्या आपको लगता है कि आप लोगों द्वारा भरोसा किए जाने लायक हैं
- क्या आप दूसरों से सीखने को तत्पर रहते हैं
- क्या आपमें मौजूदा ट्रैंड्स को चुनौती देने का साहस है
- क्या आप दूसरों के साथ मिलकर काम कर सकते हैं
- क्या आप हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ करने को तत्पर रहते हैं

यदि इन सवालों के जवाब आप हां में देते हैं, तो आपमें यह कोर्स करने और टेलीकॉम मैनेजमेंट में करियर बनाने के लिए जरूरी स्किल्स हैं।

करियर ऑप्शंस

टेलीकॉम सेक्टर के आकार और विस्तार के बढ़ने के साथ ही, टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करने के बाद अवसरों में भी बेतहाशा वृद्धि हुई है। फ्रेशर हो या अनुभवी व्यक्ति, यदि कोई दृढ़ संकल्पित है, तो इस क्षेत्र में सफल हो सकता है। टेलीकॉम मैनेजमेंट में एमबीए करके आप इन क्षेत्रों में टेलीकॉम मैनेजमेंट प्रोफेशनल बन सकते हैं- सेल्स एंड डिस्ट्रिब्यूशन, प्राइसिंग, प्रोडक्ट डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट, मार्केटिंग एंड ऑपरेशंस, नेटवर्क प्लानिंग, सिक्योरिटी, टेलीकॉम कंसल्टिंग, इंटरनेशनल वॉइस ट्रेडिंग, टेलीकॉम रेग्युलेशन आदि। अनेक क्षेत्रों से जुड़ी सरकारी व प्राइवेट फर्म्स नई प्रतिभाओं को हायर करने को तैयार रहती हैं, जैसे- मोबाइल उत्पादक, ऑप्टिकल फाइबर उत्पादक, इंफ्रास्ट्रक्चर हार्डवेयर उत्पादक, वैल्यू एडेड सर्विस प्रोवाइडर्स (इंफोसिस/ माइक्रोसॉफ्ट/ विप्रो/ गूगल आदि), टेलीकॉम ऑपरेटर्स, इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स, बैंक, हॉस्पिटल, सिक्योरिटी फर्म्स आदि।

सैलरी पैकेज

युवा ग्रेजुएट्स की सैलरी 3 से 5 लाख प्रति वर्ष होती है। अनुभव के साथ बढ़ते-बढ़ते यह 30 लाख रुपए तक भी जा सकती है।

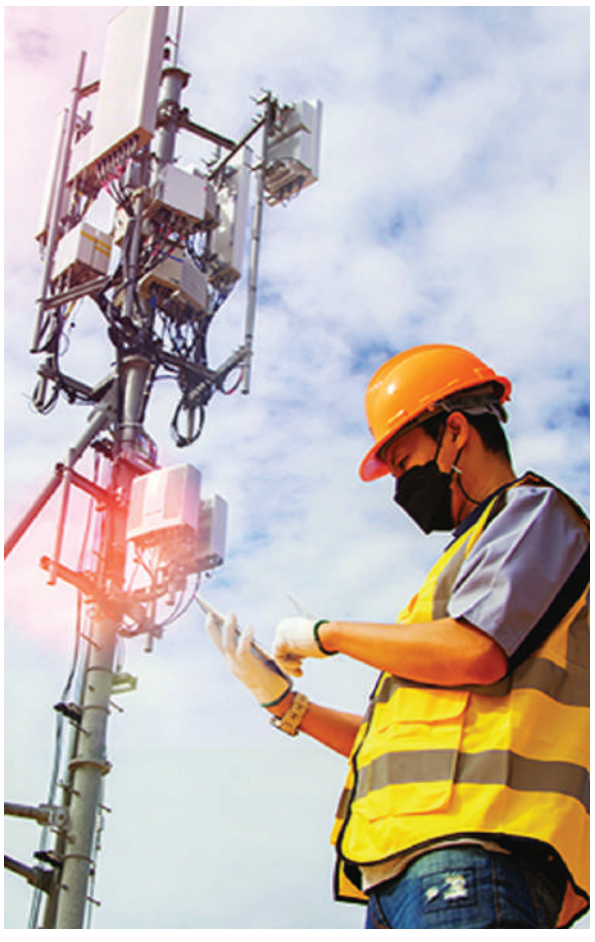

प्रकृति के साथ वक्त गुजारने का मौका देता है वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट्स का करियर

अगर आप भी रोमांचक करियर की तलाश में हैं, तो वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन का क्षेत्र आपके लिए श्रेष्ठ है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पूरी दुनिया में दुर्लभ जानवरों की हजारों प्रजातियां इस समय विलुप्त होने के कगार पर हैं और इसका सबसे बड़ा कारण है, जंगलों का लगातार काटा जाना। हालांकि कई संगठनों के सामने आने के बाद अब हालात में कुछ परिवर्तन आया है लेकिन पूरी तरह से तस्वीर बदलने के लिए जरूरत है, वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट्स की। ये विशेषज्ञ जानवरों के आवास पर शोध कर उनका संरक्षण करने में मदद करते हैं। जाहिर है, यह करियर आपको प्रकृति के साथ ज्यादा वक्त गुजारने का मौका तो देता ही है, साथ ही रोमांचक भी है। अगर आप ऐसे ही रोमांचक करियर की तलाश में हैं, तो इस फील्ड से जुड़ सकते हैं।

क्या है वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन

वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशन के अंतर्गत विशेषज्ञ पर्यावरण में हो रहे परिवर्तनों का अध्ययन करके उनके कारणों की खोज करते हैं। साथ ही वे वाइल्डलाइफ को सहेजने यानी कन्जर्व करने की कोशिश भी करते हैं। जब भी ऐसी जगहों पर कोई निर्माण या दूसरी गतिविधि होती है, तो पहले इन्हीं विशेषज्ञों की अनुमति ली जाती है। यही नहीं, लुप्तप्राय प्रजातियों के संरक्षण का काम भी यही एक्सपर्ट्स करते हैं। इन्हीं विशेषज्ञों को कहा जाता है, वाइल्डलाइफ कन्जर्वेशनिस्ट।

कौन-से कोर्सेज

इस फील्ड में करियर बनाने के लिए 12वीं में फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी विषय होने जरूरी हैं। आप वाइल्डलाइफ साइंस, इकोलॉजी, एन्वायर्नमेंटल साइंस, फॉरेस्ट्री और इकोलॉजिकल डेवलपमेंट से ग्रेजुएशन कर सकते हैं। इसके बाद इन्हीं विषयों से पोस्ट ग्रेजुएशन और फिर पीएचडी की जा सकती है। इसके अलावा आप वाइल्डलाइफ मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा भी कर सकते हैं। कई ऐसे इंस्टीट्यूट्स हैं, जो फील्ड में प्रैक्टिकल ट्रेनिंग के साथ पढ़ाई करवाते हैं। ट्रेनिंग के दौरान विद्यार्थियों को कैम्पिंग के माध्यम से पढ़ाई करने का मौका मिलता है। वहीं कुछ इंस्टीट्यूट्स वाइल्डलाइफ फिलॉसफी में पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री देते हैं, जिसे आर्ट ग्रेजुएट्स भी कर सकते हैं।

क्या हैं संभावनाएं

आप राष्ट्रीय उद्यानों (नेशनल पार्क्स) व वन्य जीव अभयारण्यों (वाइल्डलाइफ सैंक्चुरीज) से जुड़कर काम कर सकते हैं। इसके अलावा डब्ल्यूटीआई, पेटा और वर्ल्डवाइड फंड फॉर नेचर जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों में अपना करियर बना सकते हैं। सरकारी क्षेत्र में भी कई जॉब्स हैं। आप इंडियन फॉरेस्ट सर्विसेज की परीक्षा देकर बेहतरीन और प्रतिष्ठित जॉब कर सकते हैं। इसके अलावा आप बतौर साइंटिस्ट, रिसर्चर, स्पेशलिस्ट, एक्सपर्ट और एनालाइजर अपना करियर बना सकते हैं और वाइल्डलाइफ से जुड़े अलग-अलग तथ्यों को सामने ला सकते हैं।

सैलरी कितनी

सरकारी रिसर्च और साइंस इंस्टीट्यूट्स से जुड़े प्रोफेशनल्स की शुरुआती सैलेरी 25,000 रुपए है, लेकिन अगर आप कॉर्पोरेट या इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशंस के साथ काम कर रहे हैं, तो ट्रेनिंग में आपकी शुरुआत 50,000 रुपए से होगी। परमानेंट जॉब और बढ़ते अनुभव से आपका वार्षिक पैकेज 30-35 लाख तक हो सकता है।

कैसी होनी चाहिए स्किल्स

सबसे पहले तो आपके अंदर प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति लगाव होना चाहिए क्योंकि तभी आप कठिन परिस्थितियों में भी काम कर पाएंगे। वैसे भी जब तक आप अपने करियर को लेकर पैशनेट नहीं होंगे, तब तक सफलता नहीं मिलेगी। इसके अलावा आपमें समस्याओं के बारे में रिसर्च करने और उनका विश्लेषण करने का धैर्य होना चाहिए। एडवेंचरस होना और खतरों के लिए तैयार रहना भी महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस का नया अभियान 'न्यायपथ', सरदार पटेल के नाम पर 7 सूत्रीय प्रस्ताव, बीजेपी ने साधा निशाना

भोपाल। कांग्रेस ने अपने राष्ट्रीय अधिवेशन में सरदार वल्लभभाई पटेल के विचारों और मूल्यों को आधार बनाते हुए एक नया अभियान शुरू करने की घोषणा की है। 'न्यायपथ' नामक इस अभियान के साथ कांग्रेस ने एक सात सूत्रीय प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें देश के किसानों, मजदूरों, संविधान और लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष का संकल्प लिया गया है। यह प्रस्ताव गुजरात के अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन के पहले दिन पारित किया गया। सीडब्ल्यूसी की विस्तारित बैठक में सरदार पटेल के विचारों पर गहन चर्चा के बाद पार्टी ने निर्णय लिया कि वह उनके दिखाए मार्ग पर चलकर सामाजिक न्याय और समानता की लड़ाई को आगे बढ़ाएगी। पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि कांग्रेस 'नफरत छोड़ो-भारत जोड़ो' के मार्ग पर चलने के लिए और अधिक संगठित हो चुकी है। अब वह संविधान सम्मत मौलिक अधिकारों, मेहनतकश मजदूरों और कामगारों के हितों की रक्षा के लिए न्यायपथ पर चलने को तैयार है। कांग्रेस का यह प्रस्ताव संसाधनों के न्यायपूर्ण वितरण, सांप्रदायिकता के उन्माद को रोकने और समाज में वैमनस्य फैलाने वाली शक्तियों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई का ऐलान माना जा रहा है। पार्टी का कहना है कि यह अभियान केवल एक राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों को बचाने का

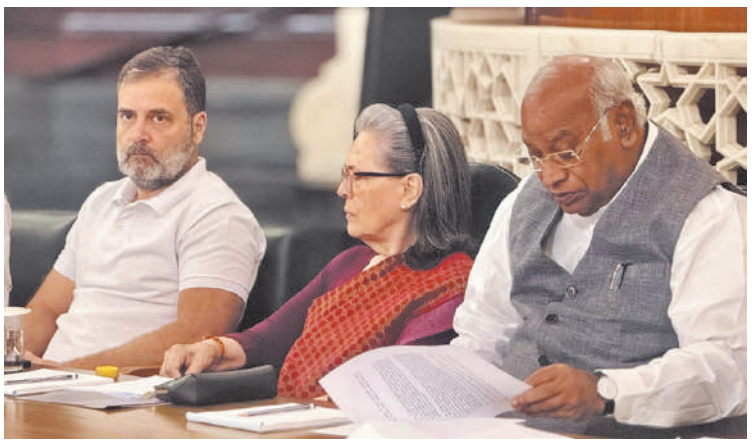

आंदोलन है। हालांकि कांग्रेस के इस प्रस्ताव और नए अभियान पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा हमला बोला है। मध्य प्रदेश के बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सरदार पटेल के जीवनकाल में भी और उनके बाद भी उनके साथ न्याय नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने कभी भी सरदार पटेल की बातों को गंभीरता से नहीं लिया। अगर लिया होता, तो आज कश्मीर जैसी समस्या देश के सामने नहीं होती। शर्मा ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने अंबेडकर, लोकमान्य तिलक और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं का भी सम्मान नहीं किया और यह पार्टी केवल कुछ लोगों के इर्द-गिर्द सिमटी जमात बनकर रह गई है। अब देखने वाली बात होगी कि कांग्रेस का 'न्यायपथ' अभियान देशभर में कितना असर पैदा करता है और भाजपा के आरोपों के बीच यह अभियान किस दिशा में आगे बढ़ता है। लेकिन इतना तय है कि सरदार पटेल के नाम पर शुरू हुई यह राजनीतिक बहस आने वाले समय में और तेज होगी।

राष्ट्रीय सियासत में बढ़ेगा एमपी कांग्रेस का दबदबा, कमलनाथ और अरुण यादव को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

भोपाल। गुजरात के अहमदाबाद में चल रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के बाद मध्य प्रदेश कांग्रेस को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। सूत्रों की मानें तो इस अधिवेशन के बाद प्रदेश के दो बड़े नेताओं–पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव को पार्टी संगठन में राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। अगर ऐसा होता है तो मध्य प्रदेश कांग्रेस का राष्ट्रीय राजनीति में प्रभाव और अधिक बढ़ जाएगा। गुजरात में मंगलवार से शुरू हुए दो दिवसीय अधिवेशन के पहले दिन पार्टी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल को समर्पित सात सूत्रीय प्रस्ताव पारित किया, जिसमें उनके विचारों और रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया। बुधवार को अधिवेशन का दूसरा दिन है और इसी के बाद पार्टी में संगठनात्मक बदलाव की संभावनाएं जताई जा रही हैं। ऐसे में मध्य प्रदेश के दोनों वरिष्ठ नेताओं को जो जिम्मेदारी दी जाएगी, वह सिर्फ प्रदेश की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय रणनीति में भी अहम साबित हो सकती है।

कमलनाथ लंबे समय से कांग्रेस की राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाते

आ रहे हैं, जबकि अरुण यादव की पहचान ओबीसी समाज के मजबूत नेता के रूप में है। सूत्रों का कहना है कि अरुण यादव को इसी सामाजिक समीकरण को ध्यान में रखते हुए एक विशेष जिम्मेदारी दी जा सकती है। इससे पार्टी को आने वाले लोकसभा चुनावों में लाभ मिल सकता है।

मध्य प्रदेश के कई अन्य नेता पहले से ही राष्ट्रीय संगठन में सक्रिय हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह चुनाव और ईवीएम से जुड़े मामलों की निगरानी कर रहे हैं। पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन तेलंगाना की प्रभारी हैं। वहीं विधायक कमलेश्वर पटेल और ओमकार सिंह मरकाम कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य हैं। इसके अलावा कुणाल चौधरी, भूपेंद्र मरावी, मनोज चौहान, सत्यनारायण पटेल और नीलांशु चतुर्वेदी राष्ट्रीय सचिव के रूप में कार्यरत हैं। विधायक विक्रांत भूरिया आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। अब अगर कमलनाथ और अरुण यादव को भी नई जिम्मेदारी मिलती है, तो मध्य प्रदेश कांग्रेस की राष्ट्रीय सियासत में भागीदारी और अधिक सशक्त हो जाएगी। कांग्रेस के भीतर यह संदेश जाएगा कि पार्टी नेतृत्व अब मध्य भारत से भी नेतृत्व को नई ऊंचाइयों तक ले जाने को तैयार है। यह बदलाव न सिर्फ संगठनात्मक मजबूती का संकेत है, बल्कि आगामी लोकसभा चुनावों के मद्देनज़र कांग्रेस की रणनीतिक तैयारी का भी हिस्सा माना जा रहा है।

गुरु बना गुनहगार: 53 साल के प्रोफेसर ने छात्राओं की गरिमा से खेला, 'डर्टी डिमांड' का खुलासा होने पर एबीवीपी का फूटा गुस्सा

जबलपुर। शिक्षा के मंदिर में एक शर्मनाक करतूत ने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। जबलपुर के ओएफके गर्ल्स कॉलेज में इकोनॉमिक्स पढ़ाने वाले 53 वर्षीय प्रोफेसर अब्दुल करीम खान पर छात्राओं को अश्लील मैसेज भेजने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह कोई एक-दो छात्राओं की बात नहीं, बल्कि आधा दर्जन छात्राएं इस गंदी हरकत का शिकार बनीं। एक बहादुर छात्रा ने जब पुलिस में शिकायत की, तब जाकर यह शर्मनाक सच बाहर आया। प्रोफेसर ने असाइनमेंट और पढ़ाई के बहाने छात्राओं से मोबाइल नंबर लिए और फिर व्हाट्सएप पर अश्लील मैसेज भेजने शुरू किए। जब एक छात्रा ने विरोध किया, तो प्रोफेसर ने बात को हल्का करने के लिए 'सॉरी' कह दिया। लेकिन छात्रा ने यह अपमान चुपचाप सहने की बजाय आवाज़ उठाई। उसने व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट के साथ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई। इस घटना की जानकारी मिलते ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता थाने पहुंच गए और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रोफेसर करीम खान ने न केवल छात्राओं का मानसिक शोषण किया, बल्कि पूरे कॉलेज की मर्यादा को भी दागदार किया है। एबीवीपी ने आरोपी को तुरंत बर्खास्त करने और गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। थाने में जमा किए गए स्क्रीनशॉट्स में प्रोफेसर की डर्टी चैट साफ दिखाई दे रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह मामला यौन उत्पीड़न की गंभीर श्रेणी में आ सकता है। कॉलेज प्रशासन भी अब बैकफुट पर है और विभागीय जांच की तैयारी में जुट गया है। यह घटना सिर्फ एक कॉलेज या एक प्रोफेसर का मामला नहीं है, यह सवाल है उस भरोसे का जो हर छात्र अपने शिक्षक पर करता है। जब शिक्षक ही विश्वास तोड़ दे, तो छात्राओं की सुरक्षा और सम्मान की जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या ऐसे अपराधियों को सिर्फ निलंबन से सजा मिलनी चाहिए या कानून की सबसे कठोर धारा उनके लिए लागू होनी चाहिए?

मेरा कार्यालय मेरी मर्जी से नहीं वरिष्ठों के मार्गदर्शन में चलेगा

।महिला बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया।

पेटलावद 1 पेटलावद क्षेत्र की जनता के बीच रह कर उनकी सेवा कर रही हुं।यहां के हर गांव हर फलिया मेरा परिचित है।एक समय था जब यहां न बिजली थी ना सड़क थी नहीं पानी था। आज सड़कों का जाल बिछा है बिजली की प्रचुरता है। खेतों में पानी पहुंच रहा है टमाटर तरबुज फुल मिर्च गेंहू क्षेत्र कि पहचान बनगये हे। सी एम राइस स्कूल बन रहे हैं। अस्पतालों कि भव्य इमारते बन रही है। यह सब आप कार्यकर्ताओं की वजह से हुआ है। देश में प्रदेश में सरकारी आपकी वजह से है। मैं मंत्री आपकी वजह से हूं।मेरा यह कार्यालय मेरी मर्जी से नहीं हमारे वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में चलेगा। उक्त बातें महिला एवं बाल विकास मंत्री व पेटलावद क्षेत्र की विधायक निर्मला भूरिया ने अपने कार्यालय का शुभारंभ करते व सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन और होली मिलन समारोह में कहे।जिला भाजपा अध्यक्ष भानु भूरिया ने कहा कार्यकर्ताओं के खून पसीने से हमारी सरकार बनी हैं।उसकि वजह से हमारे पद व प्रतिष्ठा है। कांग्रेस भ्रम व झूठ फैलाने का काम जिले व देश में कर रही है। जबकि गांधी परिवार के तीनों सांसद देश में ऐतिहासिक कानून बन रहा था तो मोन साथे बैठे थे। अब देश में फिर से ऐतिहासिक कानून आने वाला है एक देश एक चुनाव। आप कार्यकर्ता इसके लिए तैयार रहे। मैं अपने ग्रामीण कार्यकर्ताओं को बताना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाओं में जो सड़के छूट गई है उनका सर्वे हो रहा है। आप सभी अपनी पंचायत के माध्यम से सड़कों के प्रस्ताव भिजवाए। जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी ने कहा देश का गांव का जिले का घर का कोई भी पड़ोसी हो उससे अनबन हो जाती है पर होली के दिन जिस तरह से सब कुछ भूल कर मिल जाते हैं वैसे ही पार्टी के सब कार्य मिलकर बिना किसी भेदभाव के पार्टी को मजबूत करने के लिए तैयार रहे। वरिष्ठ भाजपा नेता अनोखी लाल मेहता ने कहा मध्य प्रदेश की सरकार के मूल्यांकन में महिला बाल विकास विभाग को ए प्लस का दर्जा मिलना दर्शाता है कि हमारी विधायक व दिलीप सिंह जी भूरिया की पुत्री क्षेत्र का व प्रदेश का सही प्रतिनिधित्व कर रही है।